रविवार
33 साल से देहरादून का विश्वास
25 मई 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 113
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

खुले हेमकुंड साहिब के कपाट

❑ खराब मौसम के बावजूद हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने माथा टेका

विशेष संवाददाता

चमोली। उत्तराखंड के पांचवें धाम हेमकुंड साहिब के कपाट आज सुबह 9.30 बजे विधि विधान के साथ खोल दिए गए। खराब मौसम के बीच हेमकुंड साहिब पहुंचे हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारे में माथा टेका और अरदास की। शब्द कीर्तन और जयकारों से हेमकुंड साहिब परिसर की छटा देखते ही बनती है। कपाट खुलने से पूर्व यहां भव्य तैयारियां की गई थी तथा हेमकुंड साहिब की सज्जा फूलों से की गई थी।

हर साल की तरह इस साल भी चारों धामों के कपाट खुलने के बाद तय 25 मई की तिथि और निर्धारित समय पर हेमकुंड साहिब के कपाट विधि विधान के साथ खोल दिए गए हैं। हेमकुंड साहिब में भारी बर्फबारी के कारण सेना द्वारा बीते दिनों कड़ी मेहनत के बाद 5-6 फीट मोटी बर्फ की चादर को काटकर रास्ता तैयार किया गया है। आज कपाट खुलने के समय भी इस क्षेत्र में बारिश का दौर जारी है लेकिन मौसम की तमाम विसंगतियों व दुश्वारियां के बीच भी श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं देखी जा रही है।

उल्लेखनीय है कि बीते दो दिन पूर्व ऋषिकेश से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्यपाल गुरूमीत सिंह द्वारा गुरुद्वारे में शब्द कीर्तन व गुरुवाणी के बीच यात्रियों का पहला जत्था रवाना किया गया था तब से लगातार हेमकुंड साहिब के लिए यात्रियों के जत्थे धाम जा रहे हैं तथा हेमकुंड साहिब में भारी भीड़ उमड़ रही है। खराब मौसम के बीच प्रशासन द्वारा यात्रियों से सतर्कता बरतने की अपील की गई है। गोविंद घाट से हेमकुंड साहिब तक पैदल मार्ग जिसके दोनों ओर बर्फ के पहाड़ है, से होकर यात्री यहां पहुंच रहे हैं हेमकुंड साहिब में इस समय कड़की की सर्दी पड़ रही है।

गौरतलब है कि श्री हेमकुंड साहिब की यात्रा जिसमें देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु शीश नवाने पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए जनपद चमोली पुलिस द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग के मुख्य पड़ावों पर विशेष रूप से एसडीआरएफ की टीमें भी तैनात की गई हैं। चमोली पुलिस ने हेमकुंड साहिब और चारधाम यात्रा पर पधारे सभी श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का हार्दिक स्वागत करते हुए उनकी सफल, सुखद और सुरक्षित यात्रा के प्रति अपनी तत्परता एवं प्रतिबद्धता दोहराई है।

बच्चों को एक्जीमा से बचायें

एक्जिमा एक प्रकार का त्वचा विकार है जिसमें बच्चे के शरीर पर लाल निशान पड़ जाते हैं और उनमें खुजली बहुत होती है। एक्जिमा की वजह से इतनी तीव्र खुजली होती है की बच्चे खुजलाते-खुजलाते वहां से खून निकल देते हैं लेकिन फिर भी आराम नहीं मिलता। अगर आपकी वह कुछ बातों का ख्याल रखेंगे तो न केवल आप अपने बच्चे को एक्जिमा से बचा सकते हैं बल्कि एक्जिमा की स्थिति में उसे तुरंत राहत भी पहुंचा सकते हैं। जिन बच्चों के शरीर में एक एक्जिमा होता है, अक्सर उनके परिवार में अस्थमा एलर्जी और एक्जिमा का इतिहास पाया गया है। ऐसे परिवारों में जन्म लेने वाले कुछ बच्चे अनुवांशिकी तौर पर एक्जिमा के संपर्क में जाते हैं।

जिन बच्चों को बचपन में एक्जिमा से परेशानी होती है, आगे चलकर उनमें अस्थमा की संभावना भी बनी रहती है। एक्जिमा कोई एलर्जी नहीं है, लेकिन एलर्जी की वजह से एग्जिमा हो सकता है।

एलर्जी के अलावा और भी कई कारण हैं जिनकी वजह से एग्जिमा हो सकता है जैसे कि गर्मी की वजह से। प्राय हर 10 में से एक बच्चे को एक्जिमा से पीड़ित पाया गया है। जिन बच्चों में एक्जिमा पाया गया है उनमें यह देखा गया है कि उनके जन्म के प्रथम महीने से ही उनके शरीर पर एक्जिमा के लक्षण देखने को मिल गए हैं। कुछ ऐसे आहार होते हैं जो शिशु में एक्जिमा के लक्षणों को बढ़ा सकते हैं। अगर आपका शिशु एक्जिमा की समस्या से पीड़ित हो चुका है तो आप कोशिश करें कि उसे भोजन में निम्न आहार बिल्कुल ना दें। गाय का दूध, अंडा, सोया से बने उत्पाद,गेहूं से बने उत्पाद, ड्राई फ्रूट्स बादाम नट्स और मछली।

एक्जिमा के लक्षण

शिशु के प्रारंभिक जीवन में एक्जिमा के लक्षण में कई प्रकार के बदलाव आ सकते हैं। 2 महीने से लेकर 5 साल से छोटे बच्चों में एक्जिमा के कारण त्वचा पर खुजली, लाल निशान होना, गालों पर छाले, तथा शरीर के अन्य हिस्सों पर जैसे पैर हाथ आदि पर लाल चकत्ते पड़ सकते हैं। जैसे जैसे बच्चे बड़े होते हैं उनमें एक्जिमा के लक्षणों में परिवर्तन आता है। 5 साल से बड़े बच्चों में एक्जिमा की वजह से परतदार या फटी त्वचा देखी जा सकती है। इस दौरान त्वचा अत्यधिक सुखी हो सकती है और उन में खुजली हो सकती है।

बच्चे अक्सर खुजलाहट से आराम पाने के लिए खुजली वाली जगह को खुजलाते हैं लेकिन इससे एग्जिमा और भी गंभीर हो जाता है। एक्जिमा वाली जगह मोटी पड़ जाती है और दिखने में भूरे रंग की हो जाती है। कुछ दवाइयों के द्वारा एक्जिमा के लक्षणों को खत्म किया जा सकता है। इन दवाइयों को डॉक्टर के निर्देश के अनुसार लेने पर एक्जिमा से पीड़ित त्वचा धीरे-धीरे स्वस्थ होने लगती है हालांकि सभी दवाइयां सभी व्यक्तियों पर समान तरीके से असर नहीं करती हैं। कुछ दवाइयां कुछ लोगों पर ज्यादा असर कर सकती हैं तो कुछ लोगों पर कम। इसीलिए हो सकता है इलाज के दौरान आपका डॉक्टर अलग-अलग तरह की दवाइयों को आजमाने के लिए कहें जिसे यह पता लगाया जा सके कि किस दवा का असर आपके शिशु के एक्जिमा सबसे बेहतर है।

सलवार-कुर्ता खरीदते समय रखें ये ध्यान

गर्मी के मौसम में सभी आरामदेह कपड़े पहनना चाहते हैं। ऐसे में भी खास बनी रहना चाहती हैं तो आप के पास पंजाबी सूट-सलवार के रुप में अच्छे विकल्प हैं। इनकी खासियत ये है कि ये हर फिगर और साइज पर अच्छे लगते हैं। इसमें आपके कर्व्स भी अच्छे लगेंगे वहीं अगर आप मोटी हैं तो भी सही फैब्रिक चुनकर स्लिम नजर आ सकती हैं। वहीं, बहुत पतली लड़कियां भी इस पोशाकों में कमजोर नजर नहीं आतीं।

अपने रंग और साइज के अनुसार करें चयन

कुर्ता ज्यादा लंबा न हो

पंजाबी या कहें कि पटियाला सलवार के साथ लंबे कुर्ते अच्छे नहीं लगते। इसके लिए कुर्ते की लंबाई घुटनों से ऊपर ही रखें.

सही फैब्रिक का चयन जरुरी

अगर आपका फिगर अच्छा है तो सूट-सलवार के लिए हैवी फैब्रिक चुनें. अगर वजन थोड़ा ज्यादा है तो हल्के फैब्रिक चुनना बेहतर होगा लेकिन नेट या टिश्यू जैसे फैब्रिक आपके लिए नहीं हैं। वहीं बेहद स्लिम हैं तो कॉटन और शिफॉन में सूट न सिलवाएं।

रंग भी हैं अहम

वैसे तो पंजाबी सूट हर रंग में अच्छे लगते हैं पर अगर आप स्लिम दिखना चाहती हैं तो मैरून, ब्लू जैसे डार्क कलर्स चुनें। अगर आपका फिगर अच्छा है और रंग भी साफहै तो पीच, पिंक, सॉफ्ट ब्लू, ऑरेंज के शेड्स आप पर खूब फबेंगे। अगर आपका रंग सांवला है तो बहुत ज्यादा डार्क शेड में सूट-सलवार न लें।

स्लीव्स भी निखारती हैं लुक

पंजाबी सूट के साथ आप कैसी भी लेंथ की स्लीव्स पहन सकती हैं लेकिन यह जरूर देखें कि आपके शरीर पर क्या सूट करता है। मसलन अगर आपकी बाहें भारी हैं तो स्लीवलेस पहनने से बचें। वहीं अगर पतली हैं तो आप कई तरह के डिजाइन आजमा सकती हैं।

गले का स्टाइल

वैसे तो नेक पैटर्न कैसा भी रखा जा सकता है और यह इसी पर निर्भर करता है कि आपकी गर्दन कैसी है। जैसे गर्दन लंबी है तो आप पर डीप नेक और कॉलर वाली शर्ट, दोनों ही जमेंगी लेकिन गर्दन छोटी है तो कॉलर वाली शर्ट न पहनें।

इन्दिरा गांधी के लिए कार्यकर्ता उसका परिवार था!

डॉ श्रीगोपालनारसन एडवोकेट

इन्द्रिरा गांधी ने आम कार्यकर्ता को अपना परिवार मानते हुए हमेशा उन्हें तरजीह दी।वही भारत को दुनियाभर में पहचान दिलाने में जो योगदान इन्द्रिरा गांधी का रहा है ,वह किसी अन्य नेता का नही रहा। दुनिया के बडे से बडे नेता से निरंतर समर्पक बनाये रखना और भारत का दुनिया के देशों के बीच महत्व सिद्ध करने की कौशिश करना उनकी कार्यशैली में शामिल था, इसके लिए उन्होने प्रधानमन्त्री के रूप में देश की सेवा करते हुए भारत को न सिर्फ दुनिया भर में पहचान दिलाई बल्कि दुनिया को अपनी ताकत का लोहा भी मनवाया। आजादी की लडाई में बाल वानर सेना खडी कर अंग्रेजो को चुनौती देने वाली इन्दिरा बचपनसे ही देश पर न्योछावर होने को आतुर थी। अपने पिता पंडित जवाहर लाल नेहरू से राजनीतिकप्रशिक्षण प्राप्त कर एक परिपक्व नेता बनी इन्दिरा ने कभी पीछे मुडकर नही देखा और देश की एकता व अखण्डता के लिए सदैव आगे बढती चली गई।जीवन पर्यन्त राष्ट्र के प्रति समर्पित रही इन्दिरा गांधी ने कभी अपनी जान की परवाह नही की। उनके जीवन का आखिरी सम्बोधन भीयही रहा कि मेरे खून का एक एक कतरा देश के लिए काम आए और सच में उन्होने अपने शरीर का एक एक कतरा देश पर न्योछावर करके दिखाया।

कडी मेहनत,पक्का इरादा,दूरदृष्टि जैसे जीवन सूत्र दुनिया को देने वाली इन्दिरा गांधी ने बीस सूत्री कार्यक्रम देश मे लागू कर गांव स्तर पर विकास का रास्ता तैयार किया। वे चाहती थी कि सबसे पहले गांव खुशहाल हो तो देश अपने आप खुशहाल हो जाएगा। उनकी सुदृड विदेश नीति की बदोलत भारत ने दुनियाभर के देशों के बीच अपनी खास पहचान बनाई। वही देश के अन्दर समाज के आखिरी व्यक्ति के चेहरे पर खुशहाली लाने के लिए इन्दिरा गांधी हमेशा बेचैन रहती थी।गजब की फूर्तिली व देश तथा समाज के लिए हमेशा अच्छा सोचने वाली इन्दिरा गांधी ने दुनिया भर में भारत को नई पहचान देने का काम किया। उन्होने अपने रहते कभी तिरंगें को झुकने नही दिया और भारत का लौहा दुनिया भर में मनवाया। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के शब्दों में , इन्दिरा गांधी देश के गरीबों की मसीहा थी जिन्होने जीवन पर्यन्त ग्राम स्तर के विकास कार्यक्रम चलाकर गरीबो को खुशहाल बनाकर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने की कौशिश की। उन्ही के द्वारा शुरू किये गए विकास कार्यक्रम आज भी गरीबोत्थान का आधार बने हुए है। जो हमेशा हमे इन्दिरा जी की याद दिलाते रहेगें।

उनकी अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर उनकी विशेष पकड होती थी। साधारण से साधारण कार्यकर्ता को नाम लेकर बुलाना और उन पर विश्वास करना उनकी कार्यशैली का हिस्सा हुआ करता था। निर्णय लेने की जो क्षमता इन्दिरा गांधी में थी वह क्षमता आज किसी भी दूसरे नेता में देखने को नही मिलती।पाकिस्तान को धुल चटाकर बंगलादेश को जन्म देने वाली इन्दिरा गांधी के दुनियाभर के देश इस कदर कायल थे कि उन्हे 165 देशो के संगठन का अध्यक्ष तक बना दिया था। भारत में ऐसा सम्मान आज तक कोई दूसरा नेता प्राप्त नही कर पाया है। इन्दिरा जी का लोहा उनके विरोधी भी मानते थे।आपात काल के मजबूरीवश लिए गए निर्णय से हुए नुकसान को दरकिनार कर दे तो इन्दिरा हमेंशा अपने लिए गए निर्णयों से फायदे में ही रही। सच यह भी है कि जो विकास प्रथम प्रधानमन्त्री पंडित जवाहर लाल नेहरू और इन्दिरा गांधी के जमाने में हुआ, उतने विकास की कल्पना फिर कभी साकार नही हुई।

कांग्रेस शासन काल में जब जब भी सत्ता की बागडोर नेहरू परिवार के बजाए किसी ओर के हाथों में आई तब तब ही कांग्रेस को विवादो मे धिसटना पडा। हांलाकि प्रधानमन्त्री मनमोहन सिहं स्वयं में एक सफल प्रधानमन्त्री रहे है लेकिन उन्हे अपने कई सहयोगी मन्त्रियो के भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाने के कारण परेशानी भी झेलनी पडी थी। वह तो कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की सुझ बूझ से भ्रष्टो के प्रति कोई रियायत न बरतकर एक सही संकेत देने की कौशिश की गई वरना हालात और भी खराब हो जाते । ऐसे में इन्दिरा गांधी याद हो आती है जिन्होने हमेशा सही वक्त पर सही निर्णय लेकर कांग्रेस को जिन्दा रखा और देश को भी नई सोच दी। उन्होने देश के लिए अपने खून का एक एक कतरा बहाकर यह साबित कर दिया था कि उनकी कथनी और करनी एक समान थी।इन्दिरा गांधी देश की सीमाओं के प्रति और अपने बहादुर सैनिको के हितो के प्रति हमेशा संवेदनशील रही। देश का विकास कैसे हो यह उनकी पहली सोच हुआ करती थी। साथ अपने कार्यकर्ताओं का सम्मान करना उन्हे बखूबी आता था। कांग्रेस के सत्ता में होते हुए वे कभी अपने कार्यकर्ताओं को सत्ता से जोडना नही भूलती थी। भले ही संजय गांधी की इन्दिरा गांधी के प्रधानमन्त्री पद पर रहते हुए खूब चली हो परन्तु उन्होने कभी भी संजय गांधी को सत्ता में भागीदार नही बनाया। हालाकि संजय गांधी ने देश में परिर्वतन की एक नई कौशिश की थी। जिसमें सीमित परिवार की सोच का उन्होने आगे बढाने का काम किया परन्तु कई जगह जबरन नसबन्दी की धटनाओं के कारण उन्हे विवादो का सामना करना पडा। बहरहाल इन्दिरा गांधी के प्रधानमन्त्री पद पर रहते हुए जो निर्णय हुए उनसे देश आगे बढा और देश को दुनियाभर में विकासशील देश के रूप में नई पहचान मिली। देश की सीमाओं की रक्षा और बंगलादेश के निर्माण के लिए इन्दिरा गांधी हमेशा याद की जाती रहेगी। वही बैंको का राष्ट्रीयकरण,पाकिस्तान को युद्ध में हराकर उसके धुटने टिकवा देने के लिए भी इन्दिरा गांधी को हमेशा याद किया जाएगा।जब इन्दिरा गांधी की नई दिल्ली में उन्ही के अगंरक्षको द्वारा शहादत की गई तो पूरा देश रो पडा था। इन्दिरा गांधी को बताते है आप्रेशन ब्लूस्टार के बाद अपने विरूद्ध रचे गए षडयन्त्र का आभास हो गया था परन्तु फिर भी उन्होने अपने अगंरक्षको पर से भरोसा नही खोया उनकी यही आखिरी भूल उनके लिए शहादत का कारण बन गई।देश के लिए बलिदान हुई इन्दिरा गांधी पर यह नारा आज भी सार्थक है कि जब तक सूरज चांद रहेगा इन्दिरा तेरा नाम रहेगा।

(लेखक इन्दिरा गांधी द्वारा शुरू किये गए बीस सूत्री कार्यक्रम के उत्तराखण्ड राज्य सदस्य रह चुके है)

नए घर में प्रवेश से पहले कुछ बातों का रखें ध्यान

नये मकान में प्रवेश से पहले या घर खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखना आवश्यक है। वास्तु-ज्योतिष के अनुसार मकान क्या लाभ एवं हानि देते हैं इस पर विचार करना आवश्यक है। घर लेते समय एवं निवास में प्रवेश के बाद कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिये। किसी भी रास्ते का अथवा गली का अंतिम मकान अशुभ होता है, यह कष्ट देने वाला होता है, (जहाँ रास्ता न हो)। एक ही दीवार से दो मकान बने हुए हों (संयुक्त हों) तो वह यमराज के समान कष्ट देने वाले होते हैं। मालिक कष्ट में रहता है।

मकान पूर्व में उत्तर में हमेशा नीचा एवं पश्चिम में ऊँचा होना चाहिए। मकान दक्षिण में यदि ऊँचा है तो धनवृद्धि एवं पश्चिम में नीचा है तो धन का नाश करता है।घर के चारों तरफएवं मेन गेट के सामने कुछ जगह छोड़ना चाहिए, यह लाभदायक रहती है।घर ऐसा बनाना चाहिए जिसमें मंदिर, के स्थान (देवालय) में सूर्य किरणें पड़ें, वरना अशुभ होता है।

हमेशा याद रखें पश्चिम से पूर्व की तरफ जो मकान लंबा होता है, वह सूर्यबेधी कहलाता है एवं उत्तर से दक्षिण की ओर वाला मकान चंद्रबेधी कहलाता है। शास्त्रों के अनुसार चंद्रबेधी मकान शुभ होता है। मकान में यदि आप आँगन छोड़ते हैं तो ध्यान रखें वह चंद्रबेधी हो। मकान के कुछ भाग में मिट्घ्टी अवश्य होना चाहिए। पंचक में घर को लीपना, पुताई करना, जलाऊ लकड़ी लाना अशुभ होता है। (पंचक धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद एवं रेवती के बीच रहता है।) नए घर में मेन गेट का विशेष ध्यान रखना चाहिए क्योंकि इसके टूटने से स्त्री को कष्ट होता है। नए घर में कोई वस्तु टूट जाती है, तो घर में किसी सदस्य की मृत्यु या मृत्यु समान कष्ट होता है। घर में टूटी खाट, टूटे बर्तन, टूटे-फू टे आसन एवं टूटी सायकल अथवा टूटे वाहन अशुभ फल देते हैं।

घर के अंदर बड़े वृक्ष नहीं होना चाहिए क्योंकि बड़े वृक्ष की जड़ में साँप, बिच्छू अपना स्थान बनाते हैं जोकि अशुभ होता है। व्यक्ति को हमेशा अपने भविष्य को शुभ मानकर मकान में सच्चे मन से प्रवेश करना चाहिए एवं शांतिपूर्वक जीवन बिताना चाहिए। इसलिए दोनों (पति-पत्नी) घर बनाते या लेते समय मन को साफएवं स्वच्छ रखें एवं अपने इष्ट देवता, कुलदेवता के साथ पितरों का आशीर्वाद लेकर गृह प्रवेश करना चाहिए। आपको घर हमेशा सुख समृद्धि देगा।

प्रभारी निरीक्षक ने ली ग्राम प्रहरियों की मीटिंग

संवाददाता

टिहरी। प्रभारी निरीक्षक ने ग्राम प्रहरियों की मीटिंग लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिये। आज प्रभारी निरीक्षक नई टिहरी अजय जाटव द्वारा पीपल डाली क्षेत्र के ग्राम प्रहरियों की मीटिंग ली गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए, और बताया गया कि बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया जाना अत्यंत आवश्यक है, अपने अपने ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले बाहरी व्यक्तियों की जानकारी चौकी पीपल डाली पर दी जाए। फड़ फेरी वाले, संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। गांव में मीटिंग कराकर लोगों को किसी भी ऑनलाइन लालच में न आने, और अनजान लिंक से सावधान रहने हेतु बताया जाय। सभी ग्राम प्रहरियों को हिदायत दी गई कि सभी लोग नशे से दूर रहे और लोगों को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करें। क्षेत्र में कोई भी प्राकृतिक अथवा अप्राकृतिक घटना घटित होने पर,तत्काल थाना चौकी को सूचित कराए। ग्रामीण क्षेत्रों में यदि कही पर कच्ची शराब बनाई जाती हो तो उसकी सूचना चौकी थाने पर दे। घर में बनाई जाने वाली जहरीली शराब से कही बार मृत्य भी कारित हुई हैं अत: कच्ची शराब को गंभीरता से लिया जाए। अंत में प्रभारी निरीक्षक अजय जाटव द्वारा सभी से उनकी समस्याएं भी पूछी गई।

यूजर चार्ज को प्रभावी तरीके से लागू करें: डीएम

चम्पावत(आरएनएस)। डीएम नवनीत पांडेय ने जिले की सभी निकायों को यूजर चार्ज प्रभावी तरीके से लागू करने के निर्देश दिए हैं। स्वच्छ भारत मिशन की बैठक में उन्होंने ये निर्देश दिए। चम्पावत कलक्ट्रेट में स्वच्छ भारत मिशन की बैठक हुई। बैठक में डीएम नवनीत पांडेय ने अधिकारियों के साथ मिशन की प्रगति, लक्ष्य और चुनौतियों पर विचार विमर्श किया। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत ओडीएफ मानकों के अनुसार व्यक्तिगत और सामूहिक शौचालयों की स्थिति, कूड़ेदान की उपलब्धता की समीक्ष की। उन्होंने अधिकारियों को जमीनी स्तर पर क्रियांवयन करने के निर्देश दिए। डीएम ने जिले की गौशालाओं का संचालन गोवर्धन प्रोजेक्ट के साथ करने को कहा। उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ग्रे वाटर प्रबंधन, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन आदि को लेकर निर्देश दिए। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों की व्यावसायिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने को कहा। बैठक में सीडीओ संजय कुमार सिंह, एडीएम जयवर्धन शर्मा, एसडीएम सदर अनुराग आर्य, लोहाघाट की एसडीएम नितेश डागर, डीपीआरओ भूपेंद्र कुमार आर्य, डीडीओ दिनेश सिंह दिगारी, लोहाघाट के अधिशासी अधिकारी सौरभ नेगी, टनकपुर के भूपेंद्र प्रकाश समेत तमाम अधिकारी मौजूद रहे।

बाराकोट में तिरंगा सम्मान शौर्य यात्रा निकाली

चम्पावत(आरएनएस)। बाराकोट में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर तिरंगा सम्मान शौर्य यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में भाजपा कार्यकर्ता, पूर्व सैनिक, व्यापारियों और स्कूली बच्चों ने प्रतिभाग किया। शनिवार को भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश सिंह बोहरा के नेतृत्व में बाराकोट के छतरी चौराहे से स्टेशन बाजार और पोखरी खाल तक तिरंगा सम्मान शौर्य यात्रा निकाली। लोगों ने भारतीय सेना के शौर्य को नमन किया। यहां जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति राय, ब्लाक प्रमुख विनीता फर्त्याल, सुभाष बगौली, निर्मल माहरा, सतीश पांडेय, बहादुर फर्त्याल, योगेश तिवारी, एलएम कुंवर, टीका सिंह बोहरा, राम प्रसाद कालाकोटी, दरबान मेहता, सुनील वर्मा, दीपेंद्र सिंह, दीपेंद्र बिष्ट, कमलेश जोशी, योगेश जोशी, पूरन सिंह बिष्ट, नारायण फर्त्याल, उमेश बिष्ट, आनंद बोहरा, मोहन अधिकारी, कमल बोहरा, दीपक तड़ागी, गिरीश अधिकारी मौजूद रहे।

पॉलीक्लिनिक में ई-रिक्शा सुविधा देने की मांग

चम्पावत(आरएनएस)। गौरव सेनानी कल्याण समिति ने ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक बनबसा में ई- रिक्शा उपलब्ध कराने की मांग की है। इस संबंध में संगठन ने सैनिक कल्याण मंत्री को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में कहा गया है कि आर्मी पॉलीक्लिनिक बनबसा में नेपाल, पीलीभीत, रुद्रपुर और चम्पावत जिले के वृद्ध, असहाय पूर्व सैनिक और उनके आश्रित उपचार को आते हैं। मुख्य राजमार्ग से पॉलीक्लिनिक की दूरी करीब एक किमी है। इससे पूर्व सैनिकों और आश्रितों को आवाजाही के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आवाजाही के लिए पॉलीक्लिनिक में ई-रिक्शा सुविधा देने की मांग की है।

डांट काली मंदिर में हवन-पूजन व विशाल भण्डारे का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। गोर्खाली सुधार सभा के तत्वाधान में डॉट काली मंदिर में पूजन-हवन के बाद विशाल भण्डरे का आयोजन किया गया।

आज यहां गोर्खाली सुधार सभा के तत्वाधान में समस्त सहयोगी संस्थाओं एवं उपजातीय समितियों के सहयोग से प्राचीन सिद्धपीठ श्री माँ भद्रकाली मंदिर (आशारोड़ी समीप डाटकाली मंदिर देहरादून) में पूजन-हवन एवं विशाल भण्डारेका आयोजन हुआ। प्रात: नौ बजे गोर्खाली सुधार सभा के अध्यक्ष पदम सिंह थापा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजन क्षेत्री, उपाध्यक्ष पूजा सुब्बा चंद एवं उपस्थित महानुभावजनों ने माँ भद्रकाली मंदिर में पूजा अर्चना एवं हवन किया और सभीकी सुख -शांति एवं स्मृद्धि की कामना की। आचार्य कृष्णा पंथी एवं मधुसूदन शर्मा ने विधि विधानपूर्वक पूजा अर्चना एवं यज्ञ किया। मीडिया प्रभारी प्रभा शाह ने अवगत कराया कि इस प्राचीन सिद्धपीठ श्री माँ भद्रकाली मंदिर की स्थापना 1804 में वीर सेनापति बलभद्र थापा ने की थी। (सेनापति बलभद्र थापा के नेतृत्व में उनकी मुठ्ठीभर सेना ने खलंगा नालापानी युद्ध में आधुनिक हथियारोंसे लैस अंग्रेजी सेना को तीन बार पराजय की धूल चटा दी थी। यह भद्रकाली मंदिर भक्तों की आस्थाका प्रतीक स्थल है। दूर दूर से आये हुए लोग इस मंदिर में माँ भद्रकाली के दर्शन करते हैं और अपनी मन्नत माँगते है और मनोकामना पूर्ण होने पर भण्डारे का आयोजन भी करते हैं। गोर्खाली समुदाय की इस मंदिर में विशेष आस्था बनी हुई है। विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष पूर्ण आस्था के साथ पूजन कीर्तन एवं भण्डारें का आयोजन किया गया और प्रतिवर्ष अनवरत करते रहेंगे। इस अवसर पर महापौर सौरभ थपलियाल और विधायक विनोद चमोली की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने भी माता रानी का आशीर्वाद एवं प्रशाद ग्रहण किया। क्षेत्रीय पार्षद सुधीर थापा, श्रीमती मंजू कौशिक, एवं अन्य स्थानीय पार्षदो की भी उपस्थिति एवं सहयोग रहा। इस अवसर पर पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन जागरूकता हेतु लघु उद्योग के महिला समूह द्वारा जूट से बन`हुए बैग भी वितरित किये गये। आयोजन में समुदाय की उपजातिय समितियों एवं संघ संस्थाओंका विशेष सहयोग रहा। मोहब्बेवाला की कीर्तन मण्डली और देविन शाही ने भजन- कीर्तन भी किया। आज इस आयोजन में गोर्खाली सुधार सभा के महामंत्री गोपाल क्षेत्री, सभा के समस्त शाखा अध्यक्ष बसंत गुरूंग, विनय गुरूंग, सीके राई, श्रीमती कमला थापा, कर्नल जीवन क्षेत्री, कर्नल डी एस खड्का, इंजि. मेग बहादुर थापा, कर्नल विक्रम सिंह थापा, कर्नल सीबी थापा, अनिल लिम्बू, कै. आर एस थापा , कै. दिनेश प्रधान, एवं भारी संख्या में आये हुए श्रद्धालुओं ने मातारानी की पूजा अर्चनाकी और भण्डारे का प्रसाद ग्रहण किया।

'मन की बात' के 122वें संस्करण में कैबिनेट मंत्री जोशी ने किया प्रतिभाग

देहरादून (सं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 122वें संस्करण में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने प्रतिभाग किया। आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 122वें संस्करण को अपने कैंप कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर सुना। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर में सेनाओं के पराक्रम, मधुमक्खी पालन, शेरों की बढ़ती आबादी, ड्रोन दीदी योजना, योग दिवस की तैयारियों सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा किए। उन्होंने उत्तराखंड के हल्द्वानी निवासी जीवन जोशी की 'बगेट' कला का विशेष रूप से उल्लेख किया, जिसमें वह चीड़ के पेड़ों से गिरने वाली सूखी छाल से सुंदर कलाकृतियाँ बनाते हैं। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने 'मन की बात' कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस माध्यम से न केवल शहद उत्पादन, वन्यजीव संरक्षण और कागज की रिसाइक्लिंग जैसे विषयों पर जन जागरूकता बढ़ा रहे हैं, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा में प्रेरित भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम आज देशवासियों के लिए एक प्रेरणास्रोत बन चुका है।

मंत्री जोशी ने लोगों से अपील की कि वे 'मन की बात' कार्यक्रम को नियमित रूप से सुनें और इससे मिलने वाली प्रेरणा को अपने जीवन में उतारें, ताकि समाज और राष्ट्र निर्माण में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, बूथ अध्यक्ष हेमंत जोशी, मंडल महामंत्री भावना चौधरी, दिनेश प्रधान, संजय नौटियाल, आनंद गुसाईं, सतेंद्र खरोला, ओम प्रकाश बवाड़ी, अशोक गुप्ता सहित स्थानीय लोग उपस्थित थे।

नशा उन्मूलन, ट्रैफिक जागरुकता व स्वच्छता को लेकर निकाली रैली

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के 400 एनसीसी कैडेट्स द्वारा द नेशनल हेल्पिंग हैंड (अशासकीय संस्था) के साथ मिलकर नशा उन्मूलन, ट्रैफिक जागरूकता व स्वच्छता को लेकर एक बड़ी रैली का आयोजन टैंक चौक, गणेशपुर पुल, गोल चौराहा, रेलवे स्टेशन, मालवीय चौक होते हुए गणेशपुर पुल पर संपन्न किया गया। इस महा रैली में रुड़की के कई विद्यालयों के सीनियर व जूनियर एनसीसी कैडेट्स द्वारा प्रतिभाग किया गया ।

इस कार्यक्रम का आयोजन दी हेल्पिंग संस्था के अध्यक्ष नौशाद हाशमी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ट्रैफिक इंस्पेक्टर राजेंद्र नाथ द्वारा एनसीसी कैडेट्स को जीवन में ट्रैफिक नियमों का पालन व हेलमेट लगाने से होने वाले फायदे के बारे में बताया गया। इसके उपरांत एस पी (देहात) हरिद्वार शेखर चंद सुयाल द्वारा एनसीसी कैडेट्स को जीवन के महत्व के बारे में समझाया गया व एनसीसी कैडेट्स को नशा न करने की शपथ भी दिलवाई । कार्यक्रम में गरिमामई उपस्थिति ले कर्नल अमन कुमार सिंह, कार्यवाहक कमान अधिकारी 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की की रही जिनके द्वारा आम-जनमानस को हेलमेट वितरित किए गए व हेलमेट लगाने से बचने वाले जीवन को बहुमूल्य बताया गया। कमान अधिकारी द्वारा एनसीसी कैडेट्स को हमेशा हेलमेट लगाकर ही दुपहिया वाहन पर चलने हेतु प्रेरित किया गया। आज कार्यक्रम संयोजक सेकंड ऑफिसर कमल मिश्रा व नोडल ऑफिसर नीरज नौटियाल द्वारा एनसीसी कैडेट को व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई व रैली का संचालन भी किया।

बालों के लिए फायदेमंद हैं बियर, जानें शैंपू करने का तरीका

सभी चाहते हैं कि उनके बाल स्वस्थ, मुलायम और घने बने। आज के समय में धूल, प्रदूषण और नमी के कारण बालों को काफी तकलीफें उठानी पड़ती हैं। खासतौर से मॉनसून के दिनों में बालों को खास देखभाल की जरूरत होती है। इसके लिए कई लोग बियर का इस्तेमाल का सकते हैं जिसमें विटामिन बी, माल्टोज और ग्लूकोज की प्रचुर मात्रा होती है। बियर प्रोडक्ट के रूप में आजकल बाजार में शैंपू मिल जाता हैं जो बालों को पोषण देने के साथ ही कई तरह से फायदे पहुंचाता हैं। आज हम आपको बियर शैंपू लगाने के तरीके और इससे मिलने वाले फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइये जानते हैं इसके बारे में...

बालों को मजबूत बनाए

बालों को मजबूत बनाने के लिए बियर शैंपू बहुत फायदेमंद माना जाता है। आजकल प्रदूषण, धूल और गर्मी के कारण बाल रूखे और बेजान हो जाते हैं। इस वजह से बाल टूटने झड़ने लग जाट हैं। ऐसे में बियर शैंपू का इस्तेमाल करने से बाल मजबूत बनते हैं। इसमें विटामिन बी12 है जो बालों को मजबूती देता है। अगर आप भी मजबूत बाल चाहते हैं तो बियर शैंपू का इस्तेमाल करें।

रूसी की समस्या दूर करे

बालों की रूसी की समस्या में भी आप बियर शैंपू का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन और विटामिन बी पाया जाता है जो रूसी की समस्या को दूर करने में मदद करता है। बियर शैंपू का इस्तेमाल करने से बाल सिल्की और शाइनी बनते हैं।

बालों को वॉल्यूम दे

अगर आपके बाल पतले हैं तो बालों को वॉल्यूम देने के लिए बियर शैंपू का इस्तेमाल करें। इसके इस्तेमाल से स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। इससे बाल मजबूत और बाउंसी बनते हैं। बियर शैंपू में कॉपर, मैग्नीशियम और आयरन जैसे तत्व मौजूद होते हैं जो बालों को बहुत फायदा पहुंचाते हैं। यदि आपके बाल पतले हैं, तो चिंता न करें! बीयर शैंपू यहां अद्भुत काम करता है। अगर आपको बाहर जाना है और कुछ ग्लैमरस लुक चाहिए, तो बीयर शैम्पू से अपने बालों को शैम्पू करें। बीयर में एक्टिवेटिड यीस्ट होता है जो, रोम से बालों के हर स्ट्रैंड को ऊपर उठाने में मदद करता है

आप बियर शैंपू का इस्तेमाल कंडीशनर के तौर पर भी कर सकते हैं। बियर शैंपू लगाने से बाल सिल्की और मजबूत बनते हैं। इस शैंपू का इस्तेमाल करने के बाद आपको कंडीशनर की जरूरत नहीं पड़ेगी। अगर आप खूबसूरत और शाइनी बाल चाहते हैं तो बियर शैंपू का इस्तेमाल करें।

सिर की तैलीय त्वचा से छुटकारा दिलाए

बियर में एसिड होता है, जो सिर की तैलीय और ग्रीसी त्वचा से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। ये सिर की त्वचा में तेल के उत्पादन को निर्यंत्रित करता है और अधिक गंदगी को साफ़ करता है।

बालों में चमक लाता है

यदि आपके बाल बेजान हैं, तो आप बीयर शैम्पू का उपयोग करके बहुत खुश होंगी। इसमें मौजूद विटामिन- बी बालों में शाइन लाता है। बीयर एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है, जो आपके लॉक्स में चमक जोड़ता है। यह बालों को एक आकर्षक अपील देता है। यदि आपके बाल बहुत शुष्क हैं, तो आप अपने बालों को शैम्पू करने से पहले बियर हेयर मास्क का उपयोग कर सकती हैं।

कैसे करें बालों को शैंपू

आप अपने बालों को धोने के लिए जिस भी शैंपू का इस्तेमाल करते हैं उससे शैंपू कर लें। लेकिन ऐसा करते समय ध्यान रखें, कि कंडीशनर करने से बचें। बालों को कंडीशनर करने के लिए आप बीयर का इस्तेमाल करने वाले हैं। शैंपू से अच्छी तरह बालों को धो लेने के बाद फ्लैट बीयर को अपने बालों में डालें और कुछ मिनट तक स्कैल्प पर रहने दें। लगभग 1 मिनट तक हल्के हाथों से बालों की मसाज करें। इसके बाद अपने बाल धो लें। ध्यान रहे, बीयर को पूरी तरह बालों पर से न धोएं, उसकी थोड़ी मात्रा बालों पर शेष रहने दें। बाद में बालों को सुखा लें। अच्छे रिजल्ट्स के लिए हफ्ते में कम से कम एक बार बालों को बीयर से वॉश करें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

बच्चों के लिए बेहद जरूरी होता है दूध

महीने बिना पानी पिए बच्चा हवा और मां के दूध के सहारे रहता है और फिर धीरे-धीरे वह जब थोड़ा बड़ा होता है तो उसके आहार में अन्न, दाल, सब्जियां, फल आदि भी शामिल हो जाते हैं, लेकिन माताएं उन्हें साथ में दूध देना नहीं छोड़तीं। हम बड़े होते हैं तो डॉक्टर दूध और दुग्ध उत्पाद खाने की सलाह देते हैं, ताकि हमारी हड्डियां आदि दुरुस्त रहें और हमारे शरीर को तमाम पौष्टिक तत्व मिलते रहें। यानी दूध हमारे लिए एक संपूर्ण आहार की तरह काम करता है।

प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन ए आदि से भरपूर दूध के महत्व को जानते हुए भी कई बार हम दूध पीना पसंद नहीं करते। कभी उसे बच्चों के पीने की चीज मान लेते हैं, तो कभी उसके महत्व को नजरअंदाज कर देते हैं। कई बार तो दूध और खीर पर पड़ने वाली मलाई को भी हम एक बहाना बना देते हैं ताकि दूध पीने से बच सकें। लेकिन दूध पीना हम सबकी जरूरत है और इसी जरूरत का ख्याल रखते हुए मदर डेयरी ने अपने टोन्ड दूध का विशेष ध्यान रखा। मदर डेयरी का मशीन वाला टोन्ड दूध यानी टोकन दूध कई मायनों में खास है।

मलाई का झंझट नहीं

टोकन दूध यानी मशीन में टोकन डालने पर निकलने वाला दूध। इस दूध में मलाई इस तरह से मिली होती है कि किसी बर्तन में रखने पर मलाई की परत नहीं बनती। इससे बच्चा बिना ना-नुकर किए यह दूध पी लेता है। यह दूध पतला तो होता ही है, इसका रंग भी अपेक्षाकृत अधिक सफेद होता है और स्वाद बेहतर व मीठी सुगंध होती है। इस दूध से दही पतली और स्वादिष्ट बनती है, साथ ही चाय और मिल्क शेक भी अच्छा तैयार होता है।

विटामिन ए से भरपूर

विटामिन ए से भरपूर मदर डेयरी का यह दूध बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करने के साथ उनकी आंखों की रोशनी को भी बेहतर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। इसके लिए जरूरी है कि वे रोजाना एक गिलास दूध जरूर पिएं या किसी और रूप में इसका इस्तेमाल करें।

सही रहता है दूध का तापमान

दूध की पौष्टिकता को तब नुकसान होता है, जब दूध को संग्रह करने और उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के बीच उसके तापमान को सही नहीं रखा जाता। लेकिन मदर डेयरी द्वारा इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि टैंकर से लेकर स्टोर तक दूध का तापमान बिल्कुल ठीक रहे। इसके लिए दूध को सूर्य की रोशनी से भी बचाकर रखा जाता है।

पर्यावरण के अनुकूल

इस दूध को टैंकर की सहायता से बूथ तक पहुंचाया जाता है। इस प्रक्रिया में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली प्लास्टिक की थैलियों का प्रयोग नहीं होता। इस तरह काफी संख्या में प्लास्टिक की थैलियों का इस्तेमाल रुक जाता है।

कीमत दूसरों से कम

इस दूध की कीमत भी दूसरों की तुलना में कम रखी गई है। इतनी सारी खूबियों के बाद इस दूध का गिलास अपने बच्चों को देकर आप मैजिकल मम्मी बन जाती हैं। इसके बाद आप जरूरी समझें तो अपने बढ़ते बच्चों की जरूरत के अनुसार उसमें फैट मिला सकती हैं। अगर पतली दही और स्वादिष्ट खीर बनाना चाहती हैं तो भी इस दूध का इस्तेमाल बेहतर विकल्प है। मिल्क शेक, बनाना शेक या शाम की चाय और कॉफी बनाने की जरूरत है तो भी आप इस दूध से तरह-तरह की चीजें बनाकर मैजिकल मम्मी, मैजिकल पत्नी व मैजिकल होस्ट साबित हो सकती हैं और अपने बच्चों के साथ-साथ हर किसी के बीच लोकप्रिय बन सकती हैं।

शब्द सामर्थ्य -44

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे
1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

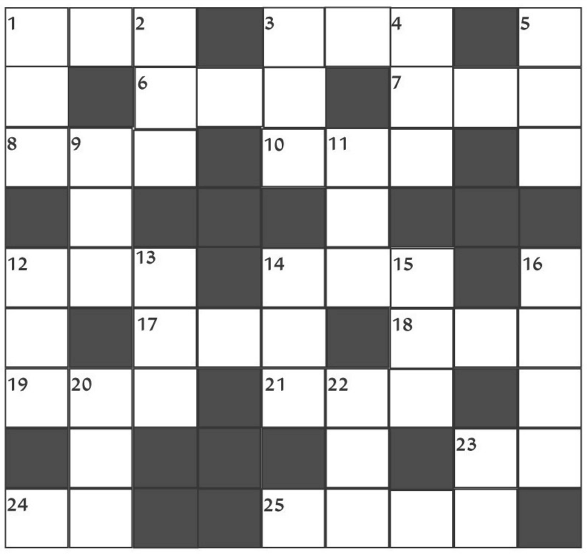

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 43 का हल

दा	ढ़ी	■	की	■	खा	सो	आ	म
वा	■	त	म	न्ना	■	■	जा	■
न	जा	क	त	■	बा	अ	द	ब
ल	■	ली	■	वि	ला	प	■	हा
■	अ	फ	सा	ना	■	मा	हि	र
दा	ब	■	■	श	गु	न	■	■
न	■	उ	प	का	र	■	शि	■
व	■	त्स	■	र	■	त	क	ला
■	सा	व	न	■	गु	रु	वा	र

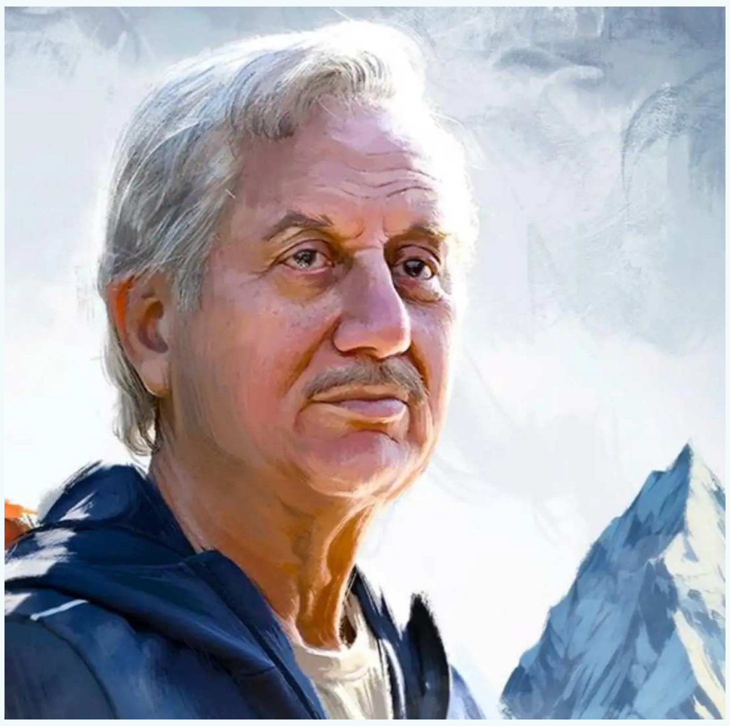

तन्वी द ग्रेट से अनुपम खेर के किरदार से भी उठा पर्दा

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों अपनी पहली निर्देशित फिल्म तन्वी द ग्रेट' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। एक्टर फिल्म को लेकर लगातारनए-नए अपडेट शेयर कर रहे हैं और फिल्म की स्टारकास्ट से परिचय करा रहे हैं। अब तक कई एक्टर्स के पोस्टर वो जारी कर चुके हैं। अब अनुपम खेरने फिल्म से अपने किरदार को जारी किया है।

अनुपम खेर स्टूडियो की ओर से अनुपम के किरदार के बारे में जानकारी देते हुए एक पोस्ट की गई है। इस पोस्ट में अनुपम खेर के किरदार कर्नल प्रतापरैना' के बारे में जानकारी देते हुए लिखा गया, तन्वी द ग्रेट' के अभिनेता अनुपम खेर ने चार दशकों से हमें हंसाया, रुलाया, खुश किया और भारत औरविदेश दोनों की फिल्मों में कई यादगार किरदार दिए। अब वह एक ऐसे किरदार को निभाने जा रहे हैं जिसकी कहानी उन्होंने खुद लिखी है।

कर्नल प्रताप रैना, जो अपनी चुप्पी को अपने शब्दों से ज्यादा जोर से बोलने देते हैं। लेकिन फिर उनकी दुनिया में कोई और आता है। कोई ऐसाजिसकी चुप्पी की अपनी एक कहानी है। जब परिस्थितियां इन दो ताकतों को एक साथ लाती हैं, तो उनकी दुनिया थोड़ी हिल जाती है। कभी-कभीयह आपको हंसाता है और कभी-कभी आप अपने आंसू रोक लेते हैं। कर्नल प्रताप रैना और तन्वी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

तन्वी द ग्रेट में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आने वाली है। जिसके बारे में पहले ही जानकारी दी जा चुकी है। फिल्म में इससे पहले तन्वी के किरदार मेंशुभांगी दत्त के अलावा बोमन ईरानी, इयान ग्लेन, जैकी श्रॉफ, नासिर, पल्लवी जोशी, करन ठक्कर और अरविंद स्वामी अहम भूमिकाओं में नजरआएंगे। तन्वी द ग्रेट' की अभी तक रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

विजय देवरकोंडा की किंगडम का पहला गाना हृदयम लोपाला रिलीज

विजय देवरकोंडा, भाग्यश्री बोरसे अभिनीत आगामी फिल्म किंगडम का पहला सिंगल हृदयम लोपाला रिलीज़ हो गया है, जिसे अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है। प्रोमो, जो कुछ दिन पहले ही रिलीज़ हुआ था, को पहले ही 20 मिलियन से ज्यादा व्यू मिल चुके हैं और इसने सभी को गुनगुनाने पर मजबूर कर दिया है।

अब, जब पूरा वीडियो रिलीज़ हो गया है, तो इसने उम्मीदों को और बढ़ा दिया है। अनिरुद्ध रविचंदर ने एक बार फिर संगीतकार के तौर पर अपनी काबिलियत साबित की है, उन्होंने एक दिल को छू लेने वाली धुन बनाई है जिसमें अनुमिता नादेसन की जादुई आवाज़ है। इस गाने में केके के काव्यात्मक बोल और डार गाई की मनमोहक कोरियोग्राफी है, जो ट्रैक में विजुअल इमोशन जोड़ती है। गाने के विजुअल भव्य, खूबसूरत और हाइप के मुताबिक हैं, जिससे फिल्म की रिलीज़ का इंतज़ार करना मुश्किल हो रहा है।

विजय देवरकोंडा, गौतम तिन्ननुरी और अनिरुद्ध रविचंदर के बीच सहयोग एक विजयी फॉर्मूला साबित हो रहा है, जो फिल्म के अन्य गानों के बारे में प्रत्याशा को और बढ़ाता है। पूर्ण वीडियो गीत में दृश्य संकेत देते हैं, सवाल उठाते हैं, और कहानी में गहराई जोड़ते हैं, जिससे हर कोई फिल्म के बारे में उत्सुक हो जाता है।

जोमन टी. जॉन आईएससी और गिरीश गंगाधरन आईएससी द्वारा संभाली गई बेहतरीन सिनेमैटोग्राफी और नवीन नूली द्वारा संपादन के साथ, किंगडम एक विशाल नाट्य अनुभव के रूप में आकार ले रहा है। गौतम तिन्ननुरी द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म का निर्माण नागा वामसी और साई सौजन्या ने सिथारा एंटरटेनमेंट्स, फॉर्च्यून फोर सिनेमा और श्रीकारा स्टूडियो के बैनर तले किया है। 30 मई को दुनिया भर में भव्य रिलीज के साथ, प्रत्याशा बढ़ रही है।

दो पार्ट में रिलीज होगी नानी की द पैराडाइज ?

साउथ अभिनेता नानी इन दिनों अपनी फिल्म द पैराडाइज को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। माना जा रहा है कि यह फिल्म नानी की अब तक की सबसे बड़ी और महंगी फिल्म होगी। फिल्म को लेकर अब एक ताजा जानकारी सामने आई है कि द पैराडाइज दो भागों में रिलीज की जाएगी, जिसे सुनने के बाद नानी के प्रशंसक द पैराडाइज को लेकर बेहद खुश और उत्साहित हैं।

द पैराडाइज को श्रीकांत ओडेला निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म की पहली झलक ने ही प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता पैदा कर दी है। फिल्म के पोस्ट में नानी का लुक अभी तक की उनकी सभी फिल्मों से बिल्कुल अलग नजर आया। यही वजह है कि नानी के प्रशंसकों को इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है, ताकि वह अपने पसंदीदा अभिनेता को एक अलग रूप में देख सकें।

रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू में नानी ने अपनी फिल्म द पैराडाइज को मैड मैक्स का भारतीय रूप बताया। वहीं अब ताजा जानकारी के अनुसार, कई बड़े बजट फिल्मों की तरह द पैराडाइज को भी दो भागों में बनाया जाएगा। पहला पार्ट 26 मार्च, 2026 को रिलीज होगा, जबकि इसका दूसरा भाग ज्यादा समय ले सकता है।

एसएलवी सिनेमा के बैनर तले सुधाकर चेरुकुरी द पैराडाइज का निर्माण कर रहे हैं। माना जा रहा है कि नानी की इस फिल्म का बजट बहुत बड़ा है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है। द पैराडाइज में नानी के अलावा अभी तक बाकी कलाकारों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिली है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म द पैराडाइज का अंदाज जंगली और बेबाक है। श्रीकांत ओडेला ने फिल्म की कहानी 1960 के दशक के एक काल्पनिक शख्स के इर्द-गिर्द लिखी है, जो गरीब और शोषित लोगों के लिए उम्मीद बनकर आया था। फिल्म द पैराडाइज की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। इसे स्पेनिश जैसी अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा, ताकि दुनियाभर के लोग इसे देख सकें।

मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर कुछ स्टनिंग फोटोज शेयर की

भोजपुरी सिनेमा की हॉट और ग्लैमरस एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने लुक को लेकर चर्चा में आ गई हैं। शुक्रवार की शाम मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ स्टनिंग फोटोज शेयर कीं, जिसने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया। ब्लैक आउटफिट में मोनालिसा का यह दिलकश अंदाज़ फैन्स को खूब पसंद आ रहा है। इस फोटोशूट में वो काउंटर टेबल के पास पोज़ देती दिख रही हैं और उनका कॉन्फिडेंस और एक्सप्रेशन दोनों ही लाजवाब लग रहे हैं। कैप्शन में उन्होंने लिखा - शुक्रवार का मूड कैसा हो और साथ में एक क्यूट सा इमोजी भी जोड़ा।

तस्वीरों पर कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स की बौछार हो गई। फैन्स ने उन्हें गॉर्जियस, हॉटनेस ओवरलोड और फायर क्वीन जैसे टैग दिए। किसी ने रेड हार्ट इमोजी से भर दिया तो किसी ने फायर और हॉट फेस इमोजी के साथ अपनी दीवानगी जताई। बता दें, मोनालिसा ना सिर्फ भोजपुरी फिल्मों में बल्कि टीवी इंडस्ट्री में भी अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं। वे नज़र, नमक इश्क का और बिग बॉस 10 जैसे पॉपुलर शोज़ में नजर आ चुकी हैं। उनकी बोल्डनेस और फैशन सेंस अक्सर सुर्खियों में रहता है।

मोनालिसा की ये लेटेस्ट तस्वीरें एक बार फिर यह साबित करती हैं कि वह सोशल मीडिया की क्वीन्स में से एक हैं और अपने अंदाज़ से हर बार दिल जीतना बखूबी जानती हैं।

बिना सभ्य हुए ज्ञानी!

हरिशंकर व्यास

कैसे हो मनुष्य सभ्य? जबकि मनुष्य और समाज के बिना सभ्य और सुसंस्कृत हुए पृथ्वी की समस्याओं का समाधान संभव ही नहीं है। ज्पर यह काम हो कैसे? सभ्यता के इतिहास में कभी भी, किसी भी स्तर पर मनुष्य को सभ्य बनाने की वैज्ञानिक, तर्कसंगत कोशिश नहीं हुई। सत्य अनुसंधान के वैज्ञानिक तरीकों से समाज और उसके विकास का रास्ता नहीं बनाया गया। मनुष्य जीवन और समाज दोनों का धार्मिक और राजनीतिक टेकओवर इस कदर था कि सभ्य मनुष्य निर्माण में ज्ञान-विज्ञान और तार्किकता का हस्तक्षेप संभव ही नहीं हुआ।

प्रलय का मुहाना -33ञ्बिना सभ्य हुए ज्ञानी! मनुष्य खोपड़ी में ज्ञानात्मक (कॉग्निटिव) क्रांति हुई। ज्ञानोदय (एन्लाइटेंमेन्ट) हुआ। इनसे ज्ञान-विज्ञान और प्रगति संभव हुई। बावजूद इस सबके मनुष्य दिमाग में समझदारी (विजडम) की बत्ती नहीं जली। मनुष्य सभ्य नहीं हुआ। पिछले तीन सौ वर्षों में मनुष्य जिज्ञासा ने प्रकृति के कई अभेद सत्य जाने लेकिन खुद का सत्य नहीं जाना! अपने और अपने समाज जीवन के आदिम स्वभाव को नहीं बदला। विज्ञान-तकनीक की बदौलत आस्मां फाड़ विकास हुआ लेकिन मनुष्य को सभ्य बनाने का विज्ञान नहीं बना। वह पशुगत प्रवृत्तियों और जैविक भिन्नताओं से मुक्त नहीं हुआ। मनुष्य दिमाग चेतन, रेशनल नहीं हुआ। विज्ञान ने मनुष्य का नॉलेज, उसकी क्षमताएं, उसकी ताकत व उपभोग को बढ़ाया लेकिन स्वभाव की आदिमताओं के साथ। ज्ञानात्मक (कॉग्निटिव) क्रांति से पहिए की खोज बैलगाड़ी-मोटरगाड़ी-हवाईजहाज में रूपांतरित हुई और अब स्पेसक्राफ्ट का मुकाम है मगर मनुष्य का दिल-दिमाग आदिम गुफाई जीवन की भूख, भय और हिंसा की प्रवृत्तियों में जस का तस जकड़ा हुआ है। अंधविश्वासों, कल्पनाओं, मिथकों और अज्ञानताओं में अटका हुआ। दिमाग न विवेक, रैशनालिटी, तर्कसंगतता की प्रोसेसिंग को अपना पाया और न स्वभाव में वह समझदार और सभ्य हुआ।

नॉलेज बनाम विजडम

तभी पहेली है कि नॉलेज, जानकारी, ज्ञान-विज्ञान की परम प्राप्तियों के बावजूद मनुष्य का वैयक्तिक, सामाजिक जीवन कैसे समझदारी में सूखा और जड़ बना हुआ है। है। मानों नॉलेज और विजडम में नाता नहीं हो! तभी विज्ञान-तकनीक के विकास को मनुष्य जितना भोगता है उससे अधिक उसका दुरूपयोग करता है। वह सभ्य होने के बजाय जंगली, जिहादी और कट्टर हुआ। दार्शनिक बर्ट्रेंड रसेल ने सत्तर साल पहले लिखा था कि 'संदेह नहीं कि हमारे वक्त में नॉलेज विस्तार पिछले सभी युगों को मात देते हुए है लेकिन इसके अनुपात में विजडम बढ़ता हुआ नहीं हैज्विजडम का अर्थ है मुक्ति, तमाम तरह के उत्पीडनों (ह्ल4ह्ल-ड्ढ्ठ्ठ4) से'।

असल में तमाम तरह की जहालतों, काहिली, अंधविश्वासों, मूर्खताओं से दिमाग की मुक्ति तभी संभव है जब लोगों के निजी जीवन में सही-गलत को बूझने की प्रवृत्ति बने। दिमाग रेशनल हो। ज्ञान-जानकारी को व्यापक दृष्टि में, जिंदगी के मायनों में दिमाग समझता-बूझता हो।

सभ्य और समझदार होना एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। हिसाब से प्रगति और गतिविधियों के बढ़ते नॉलेज से मनुष्य जीवन में समझदारी बढ़नी चाहिए थी। होमो सेपियन जब खानबदोश जिंदगी याकि सीमित दायरे की जिंदगी जी रहा था तो नॉलेज और विजडम दोनों का मामूली होना स्वाभाविक था। लेकिन सभ्यता निर्माण के बाद स्थितियां बदलीं। मनुष्य की गतिविधियों और नॉलेज का विस्तार हुआ। दार्शनिकों, विचारकों, समाजशास्त्रियों ने जो सोचा और जो आइडिया दिए उनकी प्राथिमकता में मनुष्य जीवन था। पिछले पांच-छह सौ सालों में पुनर्जागरण, ज्ञानोदय (एन्लाइटेंमेन्ट) और देवर्षि वैज्ञानिकों की खोजों और ज्ञानात्मक क्रांतियों ने नॉलेज की वह जमीन बनाई, जिससे बहुतों को लगा था कि मनुष्य दिमाग का परिष्कार होना अब सुनिश्चित। लेकिन उलटा हुआ। ज्ञान की हर क्रांति मनुष्य के शोषण को, अमानवीय जीवन को तथा दिमाग की आदिम प्रवृत्तियों को बढ़ाने वाली साबित हुई। इसलिए क्योंकि कुल मिलाकर मनुष्य खोपड़ी आदिम मनोवृत्तियों में धड़कती हुई है।

होमो सेपियन के सभ्य और ज्ञानी होने का कोई कितना ही हिसाब लगाए असलियत है कि बीसवीं सदी में मनुष्य दिल-दिमाग में जैसे बेरहम ख्याल पैदा हुए है, जैसा जो नरसंहार हुआ और तानाशाहियों में जो प्रयोग हुए है उसका निचोड़ है कि ज्ञान-विज्ञान की प्रगति भले आस्मां फाड़ हो मगर मनुष्य उत्तरोत्तर दिमागी तौर पर असमान और असभ्य होता हुआ है। बहुत कम अनुपात में, मामूली संख्या में वे लोग हैं, जो सभ्य दिमाग से सभ्यता के विकास का अपूर्व संतोषी जीवन जीते हुए हैं। अन्यथा बीसवीं सदी में मनुष्य के जंगली, बर्बर, असभ्य, नासमझ होने के जितने प्रमाण हैं वैसे सभ्यता के पूरे पांच हजार वर्षों में पहले कभी नहीं हुए।

कई मायनों में नॉलेज की सुनामी ने मनुष्य को भस्मासुर बनाया है। पुनर्जागरण और ज्ञानोदय याकि एन्लाइटमेन्ट के बाद कहने को कई विचारकों जैसे वोल्टेयर, दीदरो, कोंडोरसेट आदि ने वैज्ञानिक प्रगति के साथ सामाजिक प्रगति, मनुष्य दिमाग को ज्ञान की ओर प्रेरित करने के आइडिया दिए। अंधविश्वासों, तानाशाही, अन्याय, असहिष्णुता को दिमाग से निकलवाने की कोशिश की। उदारता, खुलेपन, तर्क और बुद्धि पर जोर देते हुए व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में तर्कसंगतता को बढ़ाने के उपाय सुझाए। सर्वाधिक अहम सुझाव यह था कि लोगों का ज्ञानोदय तब संभव है जब नेचुरल साइंस की तरह सोशल साइंस का विकास हो। फ्रांसिस बेकन का आग्रह था कि सामाजिक प्रगति के लिए प्राकृतिक दुनिया के ज्ञान में सुधार पर काम हो।

समाजशास्त्र में विज्ञान

जटिल आइडिया है। मोटा-मोटी सुझाव यह कि मनुष्य को सभ्य बना कर सभ्य दुनिया बनानी है तो सामाजिक प्रगति और उनके विषयों को विज्ञान के तौर-तरीके अपनाने चाहिए। सामाजिक विषयों में भी लक्ष्य-केंद्रित मिशन में काम हो। समाज कैसे विकसित हुआ, इसके ज्ञान के बजाय समाज कैसे प्रगति करे, इसका वैज्ञानिक मिशन बने। समाज विज्ञान में पढ़ने-पढ़ाने-समझाने में 'वैज्ञानिक तर्कसंगतता' को बढ़वाया जाए। अकादमिक दुनिया न केवल नॉलेज, ज्ञान की खोज को प्राथमिकता बनाए, बल्कि वह सभ्यता और मनुष्यों में विजडम बढ़ाने पर फोकस करे। जिंदगी की समस्याओं में तर्कसंगतता से नॉलेज का कामनसेंस भाव दिमाग में उतरे। यह जरूरी इसलिए है क्योंकि ज्ञान-विज्ञान ने मनुष्य की शक्तियों को बेइंतहां बढ़ाया है। इससे मानवता को नष्ट करने की शक्तियां अभूतपूर्व और भयानक हैं। तभी मनुष्यों को समझदार और सभ्य बनाना वैश्विक ज्ञान की प्राथमिक आवश्यकता है।

पर क्या ऐसी सोच कही दिखती है? हर व्यक्ति, हर समाज अपने को सभ्य-समझदार ही नहीं मानता, बल्कि विश्व गुरू के बोध से लेकर अपने जैसे ही बाकी दुनिया को बना देने का जंगलीपना भी लिए हुए है। इस प्रवृत्ति के आगे विज्ञान की भौतिक उपलब्धियां, कथित बुद्धिमान दुनिया और नॉलेज की सुनामी बेमतलब है।

ज्ञान-विज्ञान, भौतिक प्रगति का उपयोग एक बात है। उत्पादकता, अमीरी, तकनीक को भोगना एक बात है लेकिन सभ्य, समझदार मनुष्य और सामाजिक जीवन का विकास अलग बात है। परमाणु ऊर्जा के ज्ञान और उपयोग पर गौरवान्वित होना एक बात है लेकिन यदि समझदारी के सभ्य-सम्यक मनुष्य व्यवहार में उसका उपयोग नहीं हुआ तो वह ज्ञान कितना अनर्थकारी होगा? विज्ञान-नॉलेज से हर आदमी के हाथ में स्मार्टफोन, सोशल मीडिया है मगर दिमाग क्योंकि जहालत-काहिली में भरा हुआ है तो नए नॉलेज-तकनीक और विकास से भी वह धर्मयुद्ध लड़ा जा रहा है, जिसके मूल में कल्पनाओं की कथा-कहानियां हैं।

प्रगति एक सच्चाई है। ज्ञान-विज्ञान की सैद्धांतिक प्रगति अंतरिक्ष में मनुष्य को उड़ाते हुए है। ऐसे ही सृजनात्मक, सौंदर्य व कलात्मक विकास भी अभूतपूर्व है।

सू- दोकू क्र.44

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.43 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शिक्षा के सपने और बदलता परिदृश्य

गिरीश्वर मिश्र

भारत के मध्यवर्गीय समाज के लिए शिक्षा हर मर्ज की दवा मानी गई है। और यह कोई आज की ही धारणा या विचार नहीं है। अनंतकाल से ही भारत में विद्या, ज्ञान और शिक्षा बड़े पवित्र और शक्तिशाली विचार रहे हैं। माना जाता रहा है कि इनसे सब कुछ पाया जा सकता है। गुजरता समय भी इस अवधारणा को धूमिल नहीं कर पाया है। आम भारतीय के मन में अभी भी कुछ ऐसी सोच बची है पर आचरण में शिक्षा के सरोकारों को लेकर तेजी से बदलाव आ रहा है। बेशक, समय में आए बदलाव ने बहुत कुछ बदल डाला है।

कहना न होगा कि बच्चों की शिक्षा के साथ माता-पिता की अपनी महत्वाकांक्षाएं भी जुड़ी होती हैं। वे बच्चों के माध्यम से वह सब करना और पाना चाहते हैं, जो वे कभी अपने जीवन में खुद तो चाहे थे, पर कर या प्राप्त नहीं सके थे। दरअसल, वे समय के किसी कालखंड में अपनी खंडित हो चुकी महत्त्वाकांक्षाओं को पूरा होने का जरिया अपने बच्चों को ही मान बैठते हैं। बच्चों को अपने से श्रेष्ठ, सुखी और समृद्ध जीवन उपलब्ध कराना हर माता-पिता की दिली ख्वाहिश होती है। इसी करके उनमें अपने बच्चों में अपनी सुख-शांति का प्रतिबिंब दिखाई देने लगता है। शिक्षा सपने देखना सिखाती है और मनुष्य को उन गुणों से समृद्ध करती है जो बीज रूप में तो व्यक्ति में मौजूद होते हैं पर व्यक्त होने के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण का इंतजार करते रहते हैं। शिक्षा से हमारी यह अपेक्षा होती है कि वह व्यक्ति के मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और आध्यात्मिक सभी पक्षों यानी मनुष्य के समग्र विकास को संभव बनाती है। वह एक विनम्र व्यक्ति के रूप में विकसित होता है। कहा भी जाना है ञ्विद्या ददाति विनयम्। लेकिन हम कहीं न कहीं चूक रहे हैं। इसी के चलते आज हम शिक्षा को धीरे-धीरे सिर्फ आर्थिक समृद्धि के माध्यम तक सीमित करते जा रहे हैं। अब बदलते दौर में लोग 'अच्छी शिक्षा' उसे मानने लगे हैं, जो व्यक्ति को ज्यादा से ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता उपलब्ध करा सके। आज छात्रों में वाणिज्य (कॉमर्स) से जुड़े व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे सीए और एमबीए आदि की ओर रु झान और उनमें दाखिले की बढ़ती मार देख कर यही लगता है। हद तो तब होती है जब आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से बीटेक की तकनीकी डिग्री हासिल कर विद्यार्थी तकनीकी व्यवसाय छोड़ आईआईएम से एमबीए की डिग्री पाने की दौड़ में शामिल हो जाता है। दूसरी ओर, भारत में शिक्षा का नाक-नक्श भी तेजी से बदल रहा है। अब शिक्षा-दीक्षा बच्चों के माता-पिता के लिए वर्षो तक अनवरत चलने वाला एक युद्ध का रूप ले चुका है। शिशु-कक्षा या किंडर गार्डेन (केजी) से जो बच्चों के प्रवेश की मुहिम शुरू होती है सो कहीं ठहरने-थमने का नाम ही नहीं लेती।

अभिभावकों के लिए बच्चों के शैक्षिक कॅरियर को उनके मुकाम तक पहुंचाना बेहद थकाऊ और संघषर्शील हुआ जा रहा है। बच्चे अब विश्व स्तर की शिक्षा पाने के लिए मचल रहे हैं। उनके मन का मुकाम किसी अच्छे अमेरिकी विवि में दाखिला पाना होता है। माता-पिता भी इसी लक्ष्य का समर्थन करते हैं। वे अपने पीएफ से या बैंक से शिक्षा-कर्ज ले कर, घर को बंधक रख कर किसी न किसी युक्ति से बच्चों को अच्छे से अच्छे स्कूल में दाखिल करने की चेष्टा करते हैं। बड़ी-बड़ी कैपीटेशन फीस, जो मेडिकल में एक करोड़ रपये से ज्यादा ही बैठती है, दे-दे कर पढ़ा रहे हैं। भारत में आईआईटी और आईआईएम में प्रवेश पा जाने में सफलता की कोई गारंटी नहीं होने के कारण कई अभिभावक विदेशी डिग्री दिला कर विदेश में ही या फिर किसी बहुराष्टीय कंपनी में भारत में ही नौकरी की गुंजाइश निकालने का यत्न करते हैं। निजीकरण और वैंकरण के दबाव में भारतीय शिक्षा को लेकर अनेक प्रश्न उठ रहे हैं, इसलिए शिक्षा के ढांचागत स्वरूप, उसकी सांस्कृतिक-सामाजिक प्रासंगिकता और समग्र व्यक्तित्व के विकास की दृष्टि से पाठ्यक्रम और उसके संचालन पर गंभीर ढंग से पुनर्विचार की सख्त जरूरत है।

दरबार साहिब परिसर में हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। श्री महाकाल सेवा समिति के अध्यक्ष रोशन राणा ने बताया कि समिति पिछले 5 वर्षो से लगातार हर तीन माह में रक्तदान शिविर का आयोजन करती आ रही है, जो कि आज का रक्तदान शिविर उन बलिदानियों को समर्पित किया गया जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपना बलिदान दिया जिन पर देश को गर्व है, प्रातः 9:00 बजे समिति के मुख्य संरक्षक श्री महेंद्र देवेंद्र दास जी का आशीर्वाद लेकर इस कैंप की शुरुआत हुई, जिसमें 67 युनिट रक्त श्री महंत इन्द्रेश अस्पताल द्वारा एकत्रित हुआ, सुप्रसिद्ध कथा व्यास श्री सुभाष जोशी जी ने दीप प्रज्वलित कर शिविर शुभ आरंभ किया , जिसमें समिति से जुड़े क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से आए हुए 67 रक्तदान दाताओं ने रक्तदान कर इस कार्यक्रम को सफल बनाया इस दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, इस बार समिति द्वारा पर्यावरण संरक्षण और गौरेया बचाने को ध्यान में रखते हुए एक नई पहल की गई, जिसमें प्रत्येक रक्तदान दाताओं को गौरेया के घोंसले वितरित किए गये इस दौरान समिति के बालकिशन शर्मा, एडवोकेट संजीव गुप्ता, डॉक्टर नितिन अग्रवाल, राहुल माटा ,आयुष जैन, गौरव जैन, विनय प्रजापति, हेमराज अरोड़ा, विक्रम चौधरी, सुमित बंसल, सुशील वाधवा, कृतिका राणा, अनुष्का राणा, राशिका माटा ने शिविर में अपनी सेवाएं दी।

कार में मिला शराब का जखीरा

संवाददाता

देहरादून। पुलिस को लावारिस हालत में खडी कार से शराब का जखीरा बरामद हुआ। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान गोविन्द नगर झुग्गी झोपडी के पास एक आल्टो कार को रूकने का इशारा किया तो कार चालक कार को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा किया तो कार चालक कार को छोडकर फरार हो गया। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो कार के अन्दर से पुलिस ने 7 पेटी मेकडवल, दो पेटी इम्पीरियल ब्लू एक पेटी बियर की बरामद कर ली।

दिनेश कौशल बने कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने कांग्रेसी नेता दिनेश कौशल को श्रम प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया। आज यहां उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करण माहरा ने पार्टी के वरिष्ठ नेता दिनेश कौशल को उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है। कौशल युवा कांग्रेस देहरादून के अध्यक्ष पद पर कार्य कर चुके हैं व प्रदेश श्रम प्रकोष्ठ के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में लंबे समय से पार्टी का कार्य कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में दिनेश कौशल को प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन व प्रशासन सूर्यकांत धस्माना ने कौशल को प्रदेश अध्यक्ष की ओर से नियुक्ति पत्र सौंपा व उनको पुष्प गुच्छ दे कर व मिठाई खिला कर बधाई दी। धस्माना ने कहा कि आज प्रदेश में लाखों श्रमिक हैं जिनकी समस्याएं सुनने व उठाने के लिए कोई संगठन नहीं है ऐसे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को संगठित कर कांग्रेस का श्रम प्रकोष्ठ उनकी आवाज बनेगा ऐसी पार्टी को दिनेश कौशल और उनकी श्रम प्रकोष्ठ की टीम से है। दिनेश कौशल ने कहा कि जिस विश्वाश और अपेक्षा के साथ उनको प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा जी ने नई जिम्मेदारी दी है वे उस पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे। इस अवसर पर महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला, किशोर उनियाल,पूनम कंडारी, कांति बल्लभ भट्ट, मनीष गर्ग, शैलेन्द्र नौटियाल, अर्जुन शर्मा, धर्मपाल घाघट, मदन मोहन कोहली आदि ने दिनेश कौशल को उनके मनोनयन पर बधाई व शुभकामनाएं दीं।

महाराज ने पीएम मोदी के 'मन की बात' के 122वें संस्करण में किया प्रतिभाग

संवाददाता

देहरादून। धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 122वें संस्करण में प्रतिभाग किया।

प्रदेश के लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण,पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 122वें संस्करण में प्रतिभाग करते हुए कहा कि आपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद देशवासियों ने मोदी के प्रति जो विश्वास जताया है। मन की बात कार्यक्रम उस विश्वास की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। सतपाल महाराज ने कारगी स्थित बहुगुणा कॉलोनी, विद्या विहार के वार्ड 73, बूथ नंबर 156 पर भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनता के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 122वें संस्करण को सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने मन की बात में बताया कि किस प्रकार से आपरेशन सिंदूर में हमारे वीर सैनिकों ने अपनी वीरता का परिचय दिया। इसमें दो राय नहीं कि एस-400 सुरक्षा कवच और हमारे सैनिकों ने दुश्मनों के अभेद्य कवच को नेस्तनाबूत कर दिया। उन्होंने बताया कि जब वह देश की रक्षा संबंधी स्थायी समिति अध्यक्ष थे तो उस दौरान उनके समय में ही अपने देश की जीपीएस सिस्टम प्रणाली की रिकमेंडेशन की गई। कारगिल युद्ध के दौरान अमेरिका ने अपना जीपीएस सिस्टम बंद कर दिया था जिससे हमें दुश्मनों की लोकेशन और अपने सैनिकों की लोकेशन का ठीक से पता नहीं चल पाया और हमारे कई सैनिक शहीद हो गए। इसी से सबक लेकर हमने स्वयं के जीपीएस सिस्टम को रिकमेंड किया और हमारा अपना सैटेलाइट सिस्टम ष्नाविकष् अस्तित्व में आया। जिसकी सहायता से हमारी मिसाइलों ने आतंकवादियों के अड्डों को चुन चुन कर नेस्तनाबूत कर दिया। निश्चित रूप से मन की बात कार्यक्रम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को जागरूक करने के साथ-साथ एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना से देश को सशक्त बनाने का काम दिया है। अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय शर्मा, महामंत्री दिनेश सती, कार्यक्रम संयोजक सुभाष बालियान, उपाध्यक्ष शशि जोशी, महिला मोर्चा अध्यक्ष वैजयंती माला, बूथ नं 156 के अध्यक्ष आलोक बहुगुणा, स्थानीय पार्षद रमेश गौड, भाजपा नेता चरण सिंह कंडारी, ओमप्रकाश, जेपी धस्माना सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद थे।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर थाना पुलिस ने बालावाला के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। तो वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 73 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम अंकित पुत्र रमेश सिंह निवासी तुनवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वोटर लिस्ट एक समान हो की मांग को लेकर समिति ने चुनाव आयुक्त को भेजा ज्ञापन

देहरादून (सं)। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयुक्त उत्तराखंड शासन को नगर निगम, जिला पंचायत, विधानसभा तथा लोकसभा तीनों चुनाव की वोटर लिस्ट एक समान हो इसके विषय में जिलाधिकारी देहरादून के माध्यम से एक ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में समिति ने कहा कि प्रदेश के अंदर नगर निगम, जिला पंचायत विधानसभा तथा लोकसभा की वोटर लिस्ट एक ही समान हो इससे जनता को राहत मिल सकेगी बार-बार वोटर लिस्ट में नाम चढ़ने के लिएं बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता हैं। प्राय देखा गया है कि विधानसभा की वोटर लिस्ट में तो नाम अंकित होता है लेकिन नगर निगम में नाम गायब हो जाते हैं इससे जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। समिति जनहित में आग्रह करती है कि पंचायत चुनाव होने को हैं तो ऐसी स्थिति में वोटर लिस्ट एक बननी चाहिए ताकि जनता को परेशानी से बचाया जा सके समिति चाहती है कि उक्त कार्रवाई से उन्हें भी अवगत कराया जाए। ज्ञापन देने वालों में समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल, प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी, आंदोलनकारी प्रदीप कुकरेती, विपुल नौटियाल, पारस यादव, दानिश नूर, सुशील विरमानी, गुलाम मुस्तफा, अजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

4 जून से 8 जून तक होगा योग शिविर का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। अखिल भारत वर्षीय ब्रहामण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने बताया कि चार जून से आठ जून तक योग शिविर का आयोजन होगा।

आज यहां मनमोहन शर्मा प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड ने जानकारी दी की आज महासभा की बैठक की अध्यक्षता। पंडित मनमोहन शर्मा एडवोकेट प्रदेश अध्यक्ष ने की और बैठक का संचालन पंडित उमाशंकर शर्मा ने किया। बैठक में बताया गया कि 4 जून 2025 से लेकर 8 जून 2025 तक आचार्य अरुण कुमार योगाचार्य द्वारा योग शिविर का शुभारंभ किया जाएगा जिसमें योग शिविर प्राप्त है 5:30 बजे शुरू होगा और शिविर लगभग 7:30 बजे संपन्न होगा। योग शिविर का शुभारंभ प्रातः प्रार्थना और भजनों सम्मानित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। प्रथम दिन नगर निगम मेयर सौरभ थपलियाल द्वारा योग शिविर का शुभारंभ होगा। दूसरे दिन संत महापुरुषों और भागवतताचार्यों द्वारा योग शिविर का प्रारंभ शुभारंभ होगा। तीसरे दिन संस्थाओं की महिला अध्यक्ष या महासचिव द्वारा दीप प्रज्वलित किया जाएगा। चतुर्थ दिन समाजसेवी एवं राजनीति अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। चतुर्थ दिन समाज की धार्मिक संस्थाओं के अध्यक्ष एवं महासचिवों द्वारा सामूहिक दीप प्रज्वलित कर योग शिविर का शुभारंभ किया जाएगा। योग शिविर में महासभा के सम्मानित पदाधिकारी को संयोजक मनोनीत किया गया जो शिविर की व्यवस्थाओं को पूर्ण रूप से संभालेंगे। इस क्रम में योग शिविर के योग शिविर पंडित मनमोहन शर्मा, पंडित लालचंद शर्मा, पंडित उमाशंकर शर्मा, पंडित मनोज कुमार शर्मा, शशि कुमार शर्मा, अवनीश कांत शर्मा, पीयूष गौड, परशुराम जोशी, दीपक ध्यानी, सुनील अग्रवाल, पंडित संदीप धूलिया, महिला संयोजक इंदु शर्मा, प्रतिमा शर्मा, अलका शर्मा, अंजू शर्मा आदि को जिम्मेदारियां सौंपी गयी।

यूसीसी में 4 माह में डेढ लाख से अधिक आवेदन मिले: सीएम

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि नागरिक संहिता के अंतर्गत राज्यभर से लगभग डेढ़ लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड में लागू समान नागरिक संहिता पर प्रस्तुतिकरण देते हुए कहा कि यूसीसी लागू करने के लिए मजबूत सिस्टम का निर्माण किया गया है। प्रक्रिया को जनसामान्य के लिए अधिक सुलभ और सहज बनाने के लिए एक पोर्टल और समर्पित मोबाइल ऐप भी विकसित किया गया है। साथ ही ग्राम स्तर पर 14,000 से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर्स को इससे जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि रजिस्ट्रेशन के समय आने वाली परेशानियों को दूर करने के लिए ऑटो एस्केलेशन और ग्रीवेंस रिड्रेसल सिस्टम भी लागू किया गया है। व्यापक डिजिटल और भौतिक नेटवर्किंग के परिणामस्वरूप केवल चार माह की अवधि में समान नागरिक संहिता के अंतर्गत राज्यभर से लगभग डेढ़ लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इतना ही नहीं, राज्य के लगभग 98 प्रतिशत गाँवों से आवेदन प्राप्त किए जा चुके हैं, जो ये दर्शाता है कि यूसीसी को जनता का भरपूर समर्थन प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने यूसीसी के सफलतापूर्वक लागू करने में मार्गदर्शन और सहयोग के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व और मार्गदर्शन में 2022 के विधानसभा चुनाव में अपने दृष्टिपत्र के माध्यम से राज्य की जनता को ये वचन दिया था कि यदि जनादेश मिला, तो उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। चुनावों में विजय के पश्चात पहले दिन से ही उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने के लिए अपना कार्य प्रारंभ कर दिया। यूसीसी के बिल का मसौदा तैयार करने के लिए 27 मई 2022 को जस्टिस रंजना देसाई की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। समिति द्वारा उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में व्यापक जन-परामर्श किया गया। जिसके माध्यम से समिति को लगभग 2 लाख 32 हजार सुझाव प्राप्त हुए। समिति ने न केवल आम नागरिकों से परामर्श किया, बल्कि सभी राजनीतिक दलों और विभिन्न वैधानिक आयोगों के प्रमुखों से भी बातचीत की।

बारिश से अल्मोड़ा व पिथौरागढ़ में तबाही

❑दारमा घाटी में सड़क पर गिरा पहाड़, यातायात ठप

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम की बदमिजाजी से लोगों को बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग द्वारा राज्य में आगामी 24 घंटो के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए चार धाम यात्रियों को खास तौर पर सतर्क रहने की हिदायत दी गई है।

बीती रात से राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। अल्मोड़ा में बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है वहीं बारिश के साथ तेज हवाएं चलने से बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है तथा कई क्षेत्रों

❑अल्मोड़ा में भारी बारिश, बिजली भी गुल

में बिजली गुल हो गई है। उधर भारत-चीन सीमा क्षेत्र में दारमा घाटी में सोवला तिदांग के पास सड़क पर पहाड़ गिर जाने से मार्ग अवरुद्ध हो गया है जिससे यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। पिथौरागढ़ से प्राप्त समाचार के अनुसार दारमा घाटी में आवागमन ठप हो गया है। पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा सड़क पर गिर जाने से अभी यह कहना मुश्किल है कि इसे खोलने में कितना समय लगेगा। कई लोगों का कहना है कि इसमें कई दिन का समय लग सकता है।

उधर मौसम विभाग द्वारा अगले 24 घंटो में राज्य की राजधानी देहरादून सहित हरिद्वार, उधमसिंह नगर, टिहरी, पौड़ी, उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग तथा चंपावत व पिथौरागढ़ सहित अन्य कई क्षेत्रों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है तथा चार धाम यात्रियों को विशेष रूप से सतर्कता बरतने को कहा गया है। रुद्रपुर में भी बारिश के कारण नाले-खाले ऊफान पर हैं। मौसम विभाग का कहना है कि लोग सतर्कता बरते तथा नदी-नालों से दूर रहें। खराब मौसम में यात्रा न करें तथा सुरक्षित स्थान पर ठहरें।

वाहन चैकिंग अभियान के दौरान रैट्रो साइलेंसर वाली 2 मोटरसाइकिलें सीज

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने वाहन चैकिंग अभियान के दौरान रैट्रो साइलेंसर वाली दो मोटरसाईकिलों को सीज कर दिया।

आज यहां चारधाम यात्रा के दौरान सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अकुंश लगाने एवं यातायात नियमों का पालन कराये जाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी सरिता डोबाल के निर्देशन में चलाए जा रहे चौकिंग अभियान के अंतर्गत यातायात उत्तरकाशी की पुलिस टीम द्वारा निरीक्षक यातायात संजय रौथाण के नेतृत्व में उत्तरकाशी जिला मुख्यालय के आस-पास गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर एल्कोमीटर के साथ सघन वाहन चौकिंग अभियान चलाते हुये यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गयी। इस दौरान यातायात की टीम द्वारा रैट्रो साइलेंसर वाली 02 मोटर साइकिलो की सीज किया गया। वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, ओवरस्पीड व शराब पीकर वाहन न चलाने की सख्त हिदायत दी गयी।

मकान का ताला तोड हजारों की नगदी व जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से हजारों की नगदी व जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सभावाला निवासी अर्जुन सिंह ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से सात हजार रूपये नगद व जेवरात चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

लोडर की चपेट में आकर साईकिल सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। लोडर (छोटा हाथी) की चपेट में आकर साईकिल सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खैरी रोड निवासी प्रवीन कुमार ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भांजा रूद्राभिषेक अपनी साईकिल से घर की तरफ आ रहा था जब वह खत्ता रोड पर पहुंचा तो पीछे से आ रहे लोडर (छोटा हाथी) चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसके भांजे की साईकिल पर टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मुश्किलों से जीतना सिखाता है खेल: आर्या

संवाददाता

देहरादून। खेल मंत्री रेखा आर्या ने प्री योगा ओलंपियाड के विजेताओं को पुरस्कार वितरित करते हुए कहा कि खेल मुश्किलों से जीतना सिखाता है।

प्रदेश की खेल मंत्री रेखा आर्या ने रविवार को सेंट जोसेफ एकेडमी में आयोजित सीआईएससीई नेशनल प्री योगा ओलंपियाड 2025 के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि योग व अन्य सभी खेल युवाओं को जीवन के संघर्षों से लड़ना सिखाते हैं और मुश्किलों को हराकर कैसे सफलता पानी है, इसका रास्ता दिखाते हैं। रेखा आर्या ने कहा कि प्रदेश सरकार ने नेशनल गेम्स में पहली बार योगासन को मुख्य प्रतियोगिता के रूप में शामिल कराया था और उम्मीद है कि जल्द ही यह एशियाड और ओलंपिक जैसी अंतरराष्ट्रीय खेल

❑सेंट जोसेफ एकेडमी में प्री योगा ओलंपियाड विजेताओं को किया सम्मानित

प्रतियोगिता में भी शामिल किया जाएगा। खेल मंत्री ने कहा कि एक खेल के रूप में योग पूरी दुनिया में पहचान बना रहा है और हमारे प्रदेश में इसके खिलाड़ी बड़ी संख्या में तैयार हो रहे हैं। कार्यक्रम में मौजूद अभिभावकों से खेल मंत्री ने कहा कि वे अपने बच्चों को खिलाड़ी बनने में सहयोग दे क्योंकि अब खेल भी एक चमकता हुआ कैरियर है। खेल मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग के प्रकाश को पूरी दुनिया में फैलाने का काम किया है। उन्हीं के प्रयासों से यह संभव हो पाया है कि अब 21 जून को दुनिया के ज्यादातर देश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाते हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार लगातार खेल संस्कृति विकसित करने में जुटी हुई है। उन्होंने प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए उन्हें अगले महीने होने वाली नेशनल प्रतियोगिता में जीत की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ब्रदर जोसेफ एम जोसेफ, ब्रदर जेसी कैरल, अरिजीत बासु, अर्णव कुमार, मिशेल ए गार्डनर, अनुज कुमार सिंह, डा. अरविन्द कुमार कोटनाला आदि मौजूद रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।